

पूरक फॉर्म 5
आवश्यकतानुसार प्रयोग करें

सेप्सिस उपचार – पूर्व स्वीकृति फॉर्म

माँ का नाम _____ गाँव का नाम _____

आशा का नाम _____ निदान की तारीख _____

माँ अथवा पिता की स्वीकृति

मैं _____ निवासी ग्राम _____ को आशा ने बताया है कि मेरा नवजात शिशु गंभीर रूप से बीमार है और उसकी जान को खतरा है। आशा ने शिशु को अस्पताल ले जाने के लिये बताया है पर मैं शिशु को अस्पताल नहीं ले जा सकता या मेरी इच्छा नहीं है। इसलिए मैं आशा को शिशु का दवा से और सुई लगाकर उपचार करने की स्वीकृति देता/देती हूँ। मुझे जानकारी है कि शिशु गंभीर रूप से बीमार है और उपचार के दौरान उसकी मृत्यु भी हो सकती है। ऐसा होने पर मैं आशा को मृत्यु का उत्तरदाई नहीं ठहराऊँगा (गी)।

हस्ताक्षर/अंगूठे का निशान

आशा का नाम _____	तारीख _____
प्रशिक्षक का नाम _____	कुल अंक _____
ब्लॉक _____	

सेप्सिस उपचार फॉर्म

सेप्सिस उपचार का दिन →	1		2		3		4		5		6		7		8		9		10	
तारीख →																				
सुबह/शाम	सु	शा	सु	शा	सु	शा	सु	शा	सु	शा	सु	शा	सु	शा	सु	शा	सु	शा	सु	शा
1 हाथ पैर लुंज पुंज																				
2 स्तनपान कम/बन्द																				
3 रोना धीमे/बन्द																				
4 पेट फूला हुआ उल्टी																				
5 तापमान सुबह नापे और लिखें																				
शाम																				
माँ कहे कि शिशु का शरीर छूने में ठंडा है																				
6 छाती अंदर धँसी																				
7 टुंडी में मवाद																				
8 अन्य समस्याएँ (दिन लिखें)																				

पूरक फॉर्म 5
आवश्यकतानुसार प्रयोग करें

उपचार का रिकार्ड

जेन्टामाइसिन की सुई लगाई गई ?	हाँ/नहीं	हाँ/नहीं	हाँ/नहीं	हाँ/नहीं	हाँ/नहीं	हाँ/नहीं	हाँ/नहीं	हाँ/नहीं	हाँ/नहीं	हाँ/नहीं
पिछली बार जहाँ सुई लगाई गई थी उसकी हालत ठी = ठीक सू = सूजी हुई सा—सामान्य	ठी/सू /सा	ठी/सू /सा	ठी/सू /सा	ठी/सू /सा	ठी/सू /सा	ठी/सू /सा	ठी/सू /सा	ठी/सू /सा	ठी/सू /सा	ठी/सू /सा
क्या कोट्रिमाॅक्सेजॉल सिरप पिलाया गया ?	हाँ/ नहीं	हाँ/ नहीं	हाँ/ नहीं	हाँ/ नहीं	हाँ/ नहीं	हाँ/ नहीं	हाँ/ नहीं	हाँ/ नहीं	हाँ/ नहीं	हाँ/ नहीं

देखभाल करना

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1 क्या शिशु को ठीक से ओढ़ाया गया?										
2 क्या शिशु को टोपी और फ्रॉक पहने था?										
3 क्या शिशु को नहलाया गया?										
4 क्या शिशु को माँ के पास/गर्म रखा गया?										
5 क्या शिशु को 2-2 घंटे पर स्तनपान कराया गया?										
6 माँ के नाखून साफ/कटे हुए हैं और वह अपने हाथ साबुन से धोती है?										
7 अन्य सेप्सिस (आँख, त्वचा, नाल) के लिए दवा ठीक से दी जा रही है										

अस्पताल भेजने के लिये मापदण्ड

यदि नीचे दिए लक्षणों में से कोई हो तो तुरंत अस्पताल भेजें। जिस दिन अस्पताल भेजा गया वह दिन लिखें।

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1 एन्टीबायोटिक दवाएँ देने के 24 घंटे बाद तक भी शिशु की हालत में सुधार न हो रहा हो										
2 एक दिन तक गर्मी पहुँचाने की कोशिशों के बावजूद शिशु के शरीर का तापमान 95° फॅ (35° सें) से कम हो										
3 पूरे दिन प्रयत्न करने पर भी शिशु स्तनपान न कर रहा हो										
4 शिशु का शरीर अधिक पीला पड़ गया हो										
5 शिशु के मुँह, नाक और गुदा से खून निकल रहा हो										
6 टेटनेस हो गया हो; 4 दिन बाद यदि दूध पीना बंद कर दे, शरीर अकड़ जाए और मुँह न खुले।										
7 शिशु को दौरे पड़ें।										

सुपरवाइजर की टिप्पणी

यदि शिशु अब भी बीमार हो तो समस्या लिखें

7 वें /10वें दिन परिणाम: शिशु स्वस्थ है/अब भी बीमार है/मृत

सुपरवाइजर के हस्ताक्षर _____

सेप्सिस (जन्तुदोष) का उपचार			
इसके लिए 2 एंटीबायोटिक दवाएँ दी जाती हैं : जेन्टामाइसिन और कोट्रिमॉक्सेजोल			
1. जेन्टामाइसिन की सुई दिन में एक बार			
शिशु का वजन	समय से पूर्व जन्मा: 8 माह 14 दिन से पहले	समय पूरा होने पर जन्मा या जन्म के बाद 1 महीना पूरा होने पर	
1500 ग्रा. से कम	5 मि.ग्रा.	8 मि.ग्रा.	
1500<2000 ग्रा. से कम	5 मि.ग्रा.	10 मि.ग्रा.	
2000<2500 ग्रा. से कम	7 मि.ग्रा.	12 मि.ग्रा.	
2500<3000 ग्रा. से कम	9 मि.ग्रा.	15 मि.ग्रा.	
3000 ग्रा. या अधिक		18 मि.ग्रा.	
	10 दिन तक दिन में एक बार	7 दिन तक दिन में एक बार	
2. कोट्रिमॉक्सेजॉल सिरप (पीने की दवा) दिन में 2 बार			
समय पूरा होने पर जन्मा शिशु : एक चौथाई चम्मच दिन में 2 बार × 7 दिन			
समय से पूर्व जन्मा शिशु : एक चौथाई चम्मच दिन में 2 बार × 10 दिन			